Result Mitra Daily Magazine

Z–मोड सुरंग

हालिया संदर्भ :

- हाल ही में जम्मू–कश्मीर में आतंकवादियों ने इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी APCO Infratech के कर्मचारियों को निशाना बनाया, जो श्रीनगर–सोनमर्ग NH पर Z–मोड सुरंग का निर्माण कर रही है।
- जम्मू–कश्मीर में यह पहला अवसर है, जब आतंकवादियों ने किसी प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना पर हमला किया हो।

Z–मोड सुरंग :

- 6.4 km लंबा यह सुरंग सोनमर्ग को मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले के कंगन शहर से जोड़ता है, जिसका निर्माण कार्य सोनमर्ग के पास गगनमीर गांव के पास किया जा रहा है।
- यह सुरंग श्रीनगर–लेह राजमार्ग पर सोनमर्ग (प्रसिद्ध पर्यटक स्थल) को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- यह सुरंग 8500 फीट से भी ज्यादा ऊंचाई पर है, जहां ठंड के दिनों में हिमस्खलन के कारण यातायात प्रभावित रहता है।

परियोजना :

- इस परियोजना का कार्यभार सीमा सड़क संगठन (BRO) को 2012 में दिया गया था, जिसने इसका ठेका Tunnel Way Ltd. को दे दिया।
- बाद में यह ठेका राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड को मिला, जिसने बाद में इसे APCO Infratech को दे दिया।
- परियोजना को अगस्त 2023 तक पूर्ण हो जाना चाहिए था, लेकिन इसमें देरी हो गई।
- वर्तमान में इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है लेकिन जम्मू–कश्मीर में चुनाव आचार संहिता के कारण इसके उद्घाटन में देरी हुई।

रणनीतिक महत्व :

- Z–मोड सुरंग जोजिला सुरंग परियोजना का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पूरे वर्ष श्रीनगर से लद्दाख तक हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करना है।
- यह सुरंग लद्दाख के सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य कर्मियों को त्वरित पहुंच प्रदान करेगी।
- सुरंग श्रीनगर, ट्रास, कारगिल और लेह के बीच सुरक्षित संपर्क प्रदान करेगी।
- भारतीय सेना पाकिस्तान के खिलाफ सियाचिन ग्लेशियर और तुरतुक उप–क्षेत्रों में तैनात है, जो POK में बाल्टिस्तान से सटा हुआ है।
- इसी प्रकार पूर्वी लद्दाख में 2020 के हिंसक झड़पों के बाद से चीन के खिलाफ भारतीय सैनिकों की तैनाती कई गुना बढ़ गई है।
- सुरंग के निर्माण से न केवल सैनिकों एवं अन्य सामग्री के आपूर्ति के लिए वायुमार्ग पर निर्भरता में कमी आएगी, बल्कि विमानों के लागत एवं जीवनकाल में सकारात्मक लाभ प्राप्त होगा।

  Note : सोनमर्ग को लद्दाख में ट्रास में जोड़ने वाली जोजिला सुरंग (12000 फीट की ऊंचाई) का निर्माण 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है।

आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि :

- पिछले कुछ वर्षों से घाटी में शांति बनी हुई थी, लेकिन हालिया समय में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है, जिसके लिए विशेषज्ञों ने कुछ कारण बताए हैं –
- कमोवेश शांति वाली स्थिति ने आतंकवाद विरोधी मानसिकता में शायद आत्म–संतुष्टि ला दिया है, जिससे सक्रिय अभियानों की संख्या अपर्याप्त हो गई है। हालांकि सैन्य–सतर्कता अपने उच्चतम स्तर पर बरकरार है।
- 2021 में सैन्यकर्मियों की आवाजाही वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र में सैन्य कर्मियों में कमी हो गई है, जो मौजूद प्रत्येक बटालियन की जिम्मेदारी बढ़ा रहा है।

Result Mitra

- 2021 से लगभग 4000–5000 सैन्यकर्मी, जो आतंकवाद विरोधी ड्यूटी में शामिल थे, को यहां से स्थानांतरित किया गया है।
- हालिया घटनाओं की खास बात यह है कि आतंकवादी अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास हमले कर रहे हैं, जहां तैनात बल आतंकवाद विरोधी अभियान नहीं चलाती है।
- गलवान घाटी घटना (जून 2020) के बाद सेना के लिए क्षेत्र में तीन मोर्चे खुल गए हैं, साथ ही अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास घने जंगलों के कारण घुसपैठ अपेक्षाकृत आसान है।
- खराब खुफिया जानकारी, आतंकवादियों के पास बढ़ते प्रौद्योगिकी, सैन्य बलों की जमीनी संपर्क में कमी (प्रौद्योगिकी पर अत्यधिक निर्भरता के कारण) एवं आतंकवादियों की बढ़ती फंडिंग हमलों को बढ़ाने के लिए प्रेरक का कार्य कर रहे हैं।

TM
Result Mitra